



# भारत का राजपत्र The Gazette of India

असाधारण

EXTRAORDINARY

भाग II—खण्ड 3—उप-खण्ड (i)  
PART II—Section 3—Sub-section (i)  
प्राधिकार से प्रकाशित  
PUBLISHED BY AUTHORITY

सं. 111]

नई दिल्ली, बृहस्पतिवार, मार्च 15, 2007/फाल्गुन 24, 1928

No. 111]

NEW DELHI, THURSDAY, MARCH 15, 2007/PHALGUNA 24, 1928

वित्त मंत्रालय

MINISTRY OF FINANCE

(राजस्व विभाग)

(Department of Revenue)

शुद्धि-पत्र

CORRIGENDUM

नई दिल्ली, 15 मार्च, 2007

New Delhi, the 15th March, 2007

सा.का.नि. 201(अ).—भारत के राजपत्र, असाधारण, भाग II, खण्ड 3, उप-खण्ड (i) में दिनांक 1 मार्च, 2007 के सा.का.नि. 148(अ) के तहत प्रकाशित भारत सरकार, वित्त मंत्रालय (राजस्व विभाग) की दिनांक 1 मार्च, 2007 की अधिसूचना सं. 8/2007-के.उ.शु. (गै.टै.) में पृष्ठ 117 पर

G.S.R. 201(E).—In the notification of the Government of India in the Ministry of Finance (Department of Revenue) No. 8/2007-Central Excise (N.T.), dated the 1st March, 2007, vide G.S.R. 148(E), dated the 1st March, 2007 published in the Gazette of India, Extraordinary, Part II, Section 3, Sub-section (i) at page 117

- (i) पंक्ति 21 में "प्रथम परन्तुक" के स्थान पर "प्रथम और द्वितीय परन्तुक" पढ़ा जाए;
- (ii) पंक्ति 23 में "द्वितीय परन्तुक" के स्थान पर "द्वितीय और तृतीय परन्तुक" पढ़ा जाए।

- (i) in line 21 for "first proviso" read "first and second proviso";
- (ii) in line 23 for "second proviso" read "second and third proviso".

[फा. सं. 201/03/2007 के.उ.शु.-6]

[F.No. 201/03/2007-CX-6]

राहुल नांगरे, अवर सचिव

RAHUL NANGARE, Under Secy.